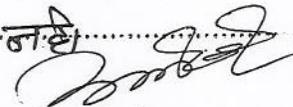


3. किसी अपराध (अपराधों) (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 8 की उपधारा (1) की धारा (2) में निर्दिष्ट या उपधारा (3) के अन्तर्गत आने वाले किसी अपराध (अपराधों) से भिन्न के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है/नहीं ठहराया गया है और एक वर्ष या अधिक के लिए कारावास से दंडादिष्ट किया गया है/नहीं किया गया है।

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडादिष्ट किया गया है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा) :

- (i) मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/संख्याएं..... शून्य (नहीं)
- (ii) न्यायालय, जिसने दंडित किया है नहीं
- (iii) पुलिस थाना (थाने)..... नहीं जिला (जिले)..... नहीं राज्य..... नहीं
- (iv) संबंधित अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और उस अपराध (उन अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसको (जिनको) लिए अभ्यर्थी कभी आरोपित किया गया है..... नहीं
- (v) तारीख (तारीखें) जिनको दंडादेश सुनाया गया था/सुनाए गए थे नहीं
- (vi) क्या दंडादेश संक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोका गया है/ रोके गए हैं नहीं

स्थान : जापेश्वर


अभिसाक्षी के हस्ताक्षर

तारीख : 11-01-2012

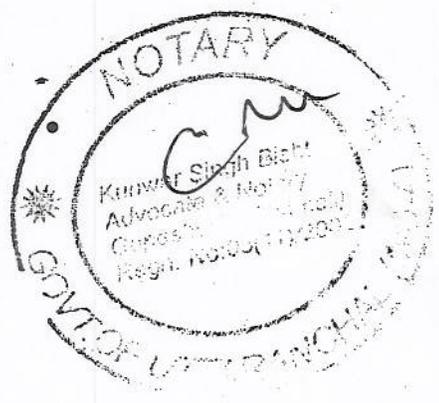
सत्यापन

मैं, ऊपर नामित अभिसाक्षी, यह सत्यापित और घोषित करता/करती हूँ कि इस शपथपत्र की अंतर्वस्तु मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है और इसका कोई भाग मिथ्या नहीं है और कोई तात्त्विक बात छिपायी नहीं गई है।

.....जापेश्वर.....स्थान पर आज तारीख11-01-2012..... को सत्यापित किया।


अभिसाक्षी के हस्ताक्षर

टिप्पणी : इस प्ररूप के वे स्तंभ, जो अभिसाक्षी को लागू नहीं है, काट दिया जाए।



The deponent is identified by.....[Signature]
Sworn & Verified the contents of the
affidavit at Chamoli on 11-01-2012

KUNWAR SINGH BISHR
Advocate & Notary
Chamoli (Uttarakhand)
Regn. No. 05/11/2006